लाजवाब अमेरिकी कारें

आलेखः एरिका एल. नेल्सन
फोटोः सेबास्तियन जॉन

कारों में एक कार चुनी है,
कार चुनी है इंपाला।
इंपाला में तुझे बिठाकर,
ले जाएगा दिलवाला।

इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं कि भारतीयों का जितना स्नेह और सम्मान शर्वोले इम्पाला को मिला, दूसरी कोई अमेरिकी कार वह सम्मान नहीं पा सकी। कुछ स्वर्णिम दशकों तक हर दूसरी फिल्म में नायक अपनी नायिका को रिझाने के लिए इम्पाला का इंजन चालू कर देता था और जब सड़क पर यह दिखती थी, तो बच्चे इसे नाम लेकर पुकारते थे। हर फिल्म स्टार इसे ऊंची कीमत देकर भी इम्पोर्ट करना चाहता था।

हालांकि इम्पाला के प्रति लोगों के लगाव में कमी आई है, पर 1920 और 1950 के दशक में इसके अन्य मॉडलों ने बॉलीवुड के सिनेमा और मोटरकार के दीवाने दिलों में खूब जगह बनाई। भारत में अमेरिका की क्लासिक कारों के सबसे बड़े संग्रहकर्ता वकील दिलजीत टाइटस अपनी इन कारों का ब्लैक, गदर और जुबैदा आदि फिल्मों में दीदार करा चुके हैं। वह कहते हैं, ''मुझे इनका आकार पसंद आता है, मैं इनके चमकीले रंग पर रीझा हुआ हूं और इन्हें नाव की तरह खेना मुझे भाता है। जब आप इनमें बैठते हैं, तो उससे पहले आपको इसकी पूरी योजना बनानी होती है।'' और ये विशाल, खूबसूरत कारें हैं: 1940 के दशक में भारतीय टीक से बनी फोर्ड वुडी, पीले रंग की कैडिलक, जिसकी लंबाई छह मीटर से ज्यादा है और चमकीले ग्रिल्स से सजी खूबसूरत सफेद ब्यूक। टाइटस की इन सभी 'सुंदरियों' को देखने के लिए जरूरी नहीं कि आप कोई फिल्म देखें। टाइटस क्लासिक

तरुण ठकराल की की 1959 शेर्वोले बेल एयर।

नीचे: बेंगलूर में वर्ष 2003 में फोर्ड के शताब्दी समारोह रैली में फोर्ड का 1928 मॉडल ट्यूरर।